

ॐ

माधवराव का हार
(पत्रपाठवर्णालि)

१९३३ ई. ११८

५११७७३

(1)

श्री

Chand

Atmanand



महि/म
११८

श्रीश्रीयापीरगीलनश्रीमन्त्र

नश्रीश्रीधरगिरिपद्मरत्नश्री

गोपापीयति

पोमधरापयमयधननमरत्न

यतिगीतपरीचयितुमश्रीमन्त्र

(1-A)

स्वमायुधगिरिपद्मपद्मनग

यतिगिरिपद्मपद्मपद्मनग

स्वमायुधगिरिपद्मपद्मनग

उमगमउमगमउमगमउमगम

उमगमउमगमउमगमउमगम

उमगमउमगमउमगमउमगम

(1B)

श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री

श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री

श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री

श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री

श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री

श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री

श्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्रीश्री

copied
Atharva

श्री

मा/७
११७

भामान्यरत्नश्रीगणेश
पद्यंतावीर्यद्विगीताराज्यीय
लगाव्यापीयांति

उपपन्नचयव्यापयद्विप्रधननमस्तु
लगाव्यापीनेनमयाप्यव्यवहारश्री
द्विगीताराज्यीय
द्विगीताराज्यीय
द्विगीताराज्यीय
द्विगीताराज्यीय

द्विगीताराज्यीय
द्विगीताराज्यीय
द्विगीताराज्यीय
द्विगीताराज्यीय

~~ॐ नमो भगवते वासुदेवाय~~

धृतिवीर्यरत्नचन्द्रमाणिक्यपुष्पाक्षरम्

ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ

प्रा. १२२२ म. १२२२ म. १२२२ म.



Yashwantrao Chavan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Mandal, Dhule

Pratishthan, Mumbai
"Joint project of the"

(90.18) (1917)

THE END OF THE WORLD

MILITARY

This image shows a blank, aged, cream-colored page, likely an endpaper or flyleaf of a book. The paper has a slightly textured appearance with some minor discoloration and small dark spots, possibly due to age or handling. There is no text or other markings on the page.

4

(५)

३०

१०६० (२५०) ३० ^{copied}
Attahy
मूल ११३

मोत्री दम्पती गार्मिक उन्नत
उद्योग उन्नत धातु गोवर्जो
रियाली

११५

उन्नत गुणां गुण उद्योग उन्नत

(५A)

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

(५B)

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

(५C)

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

उन्नत गुणां गुण उन्नत

(५D)

उन्नत गुणां गुण उन्नत

(5)

नरमयाचे व्यावर्णीकणे शरीर वज्र
पद्म उन्नीची ऐल ऐल शरीर शरीर
उज्जोन दो पद्मराच ऐल ऐल
मद्व्यापया ७ रूपाम ऐल ऐल
वज्रागुदरताच दयापता नदी
म दो पद्म मदी ४ रूप उन्नीगंगा
ध ऐल ऐल याच पुत्र पद्म उन्नीम

(5B)

दो ऐल ऐल तीर्थ सप्त ज्योती दा
दा वजा ऐल वा ४ शरीर या ७ दो नम
दो मयाची नमि मया ४ या ७
दो नमो पद्मो मदी दणी वज्र
मया ७ ऐल वज्र पा पद्मारी
मि पत्र दृष्टि नि मदी रूप याची

(5C)

ठाडिया पुण्याच्या मान नीर उजे
न पद्मयाचे मया द्यो फो नो न घे मा
उजे नि नये मदी ७ उ व मदी ४
प उजे मया द्यो नी मया ४ ४
दाता मदी ७ मदी ७ मदी ७

(5D)

MS. A. 9. 1. 2. 3.

(6)
copied
Athalysa

मा

मा
मा/क/१९९४

250

विदितं तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु
तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु तद्वत्तु

मा

(2)

श्री

नमः

१४२-६४४२

(23)

Copied
Atahyest

उच्यते पृथुः प्रसं दमंति अमित्रं
नृपति मघं पति राप विप्रमं गोत्र
पठेयांती

उत्तम मघं राप धमं प्रथं नमः अर उच्यते

(7A) तमि उच्यते नमः पठि मघं रसं पठि मघं

उच्यते मघं उच्यते मघं पठि मघं पठि मघं

उच्यते उच्यते मघं पठि मघं पठि मघं

पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

(7B) पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

(7C) पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

(7D) पठि मघं पठि मघं पठि मघं पठि मघं

copied
Attahyett

24c

V. Jones

मा. वि.
११८

~~ॐ नमो भगवते वासुदेवाय~~

~~रामचन्द्रभट्टाजीभटावंगी~~

~~जमनीयपरधनमयि नमस्तुभ्यम्~~

~~यदि ज्ञानमयं विष्णुमता विमलमहान~~

गोपनीयतामयि च धियाभयम्

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

~~महाराष्ट्र राज्य सरकार~~

गणेशाय नमः

~~धराधरचरितपत्रकमुद्रापत्रकमुद्रा~~



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com